दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

**आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।**

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, रविवार 09 जनवरी 2022 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 103

## महत्वपूर्ण एवं खास

### उत्तरखंड में बारिश और बर्फबारी से बढ़ी ठंड

**देहरादून (आरएनएस)।** उत्तराखण्ड में आज सुबह से ऊंचाई वाले स्थानों पर हो रही बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बारिश के कारण तापमान गिरने स ठिठुरन बढ़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, राज्य में बर्फबारी और पाला गिरने से पर्वतीय क्षेत्रों में कई मार्गों पर फिसलन होने से यातायात बन्द हो गया है। बर्फबारी के साथ पाला जमने से गोपेश्वर-चोपता-ऊखीमठ हाईवे पर बर्फबारी के बाद पाला जमन वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। राज्य के ऊँचाई वाले विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर बर्फ की परत एकत्रित हो गई हैं। केदारनाथ धाम, बद्रीनाथ धाम में कई-कई फिट बर्फ जमा है। वहां पुलिस जवानों के साथ कुछ सन्यासी अभी भी मौजूद हैं। इन स्थानों पर तापमान शून्य से नीचे पहुंचने के कारण पानी भी जम गया है। राज्य के अन्य मैदानी क्षेत्रों में भी बीती रात से हो रही बारिश के कारण तापमान 08 से 10 डिग्री सैल्सियस पहुंच गया है। पूरे राज्य में ठिठुरन बढ़ गई है।

### मिर्च तोड़ने तेलंगाना जा रहे मजदूरों की गाड़ी हुई दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत

**बीजापुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिलें से मिर्च तोड़ने तेलंगाना जा रहे मजदूरों की पिकप तेलंगाना के पेरुर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, इस घटना में एक महिला मजदूर की मौत हो गई है, वहीं दर्जनों मजदूरो के घायल होने की खबर है, घायल मजदूरों का एटूनागरम के स्वास्थ केंद्र में उपचार चल रहा है । मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर जिले के पापनपाल, मोरमेड़, कचलारम से मिर्च तोड़ने के लिए पिकप के माध्यम से मजदूरों को तेलंगाना ले जाया जा रहा था, इसी दौरान तेलंगाना के पेरुर के पास पिकप अनियंत्रित होकर पलट गई । इस घटना में महिला मजदूर लक्ष्मी तेलम की मौत हो गई है, वही दर्जनों मजदूर घायल बताये जा रहे हैं । घायल मजदूरों का उपचार एटूनागरम के स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है ।

### यूपी में 150 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स संभालेगी विधानसभा चुनाव की कमान

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** केन्द्र सरकार ने यूपी में विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र पहले चरण के लिए 150 कंपनी अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती करने का फैसला किया है। इन सुरक्षा बलों को 10 जनवरी से पहले चरण में जिलों में तैनात किया जाएगा। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि केंद्र ने जो 150 कंपनी अर्द्धसैनिक बल दिए हैं, उनमें से 50 कंपनी सीआरपीएफ, 30 कंपनी बीएसएफ, 20 कंपनी सीआईएसएफ और 20 कंपनी आईटीबीपी की होंगी। इन कंपनियों को सभी 78 जिलों व पुलिस कमिश्नरेट में संवेदनशीलता एवं आवश्यकता के अनुसार आवंटित कर दिया गया है। इन केंद्रीय पुलिस बल को स्थानीय पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च करने को कहा गया है ताकि लोग सुरक्षा महसूस कर सकें। इस पुलिस कंपनियों को जिलों में पुलिस विधानसभावार तैनात करेगी। प्रदेश में पिछले चुनाव में 300 कंपनी केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल तैनात किया गया था। माना जा रहा है कि केंद्र से जल्द ही और अर्द्धसैनिक बल प्राप्त होगा।

# चुनाव आयोग ने यूपी समेत पांच राज्यों के चुनाव का किया ऐलान

» 8 फरवरी से 7 मार्च के बीच 7 चरणों में होंगे चुनाव, 10 मार्च को रिजल्ट घोषित किए जाएंगे

» रैली, रोड शो पर लगी रोक, सिर्फ वर्चुअल कैंपेन की होगी परमिशन

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल कहे जा रहे उत्तर प्रदेश समेत 5 राज्यों के चुनाव का ऐलान निर्वाचन आयोग के द्वारा कर दिया गया है। 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में 7 चरणों मतदान होगा। इसके अलावा उत्तराखंड, गोवा और पंजाब में 14 फरवरी को एक ही राउंड में मतदान होना है। मणिपुर में दो चरणों में 27 फरवरी और 3 मार्च को वोटिंग होगी। वही उत्तर प्रदेश में पहले राउंड की वोटिंग 10 फरवरी को होगी और इसके बाद दूसरे चरण का मतदान 14 फरवरी को होना है। 20 फरवरी को तीसरे और 23 तारीख को चौथे राउंड की वोटिंग होगी। 27 फरवरी को 5वें, 3 मार्च को छठे और 7 मार्च को 7राउंड का मतदान होना है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि 10 मार्च को सभी 5 राज्यों के नतीजों का ऐलान किया जाएगा।

चुनाव आयोग ने यूपी समेत सभी 5 राज्यों में वोटिंग का समय एक घंटा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा सभी राज्यों में 15 जनवरी तक किसी भी तरह की रैली, रोड शो, बाइक रैली, नुक्कड़ सभाओं पर रोक लगा दी गई है। सिर्फ वर्चुअल कैंपेन की ही अनुमति होगी। 15 जनवरी के बाद हालात की समीक्षा की जाएगी। यदि कोरोना नियंत्रण में होता है तो फिर कुछ छूट दी जा सकती हैं। चुनाव की समाप्ति के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस पर रोक होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव के दौरान कोरोना नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि हमें महामारी से निकलने का यकीन रखना होगा। उन्होंने नियमों के बारे में बताते हुए एक शेर से शुरुआत की। चुनाव में तैनात सभी कर्मियों को वैक्सीन की दोनों डोज लगी होनी चाहिए। चुनाव आयुक्त ने कहा कि उत्तराखंड और गोवा में ज्यादातर लोगों को दोनों डोज लग चुकी हैं। यूपी में 90 फीसदी वयस्कों को कम से एक टीका लग चुका है। चुनाव आयोग ने कहा कि इलेक्शन के दौरान अवैध पैसे और शराब पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा कोरोना संकट को देखते हुए उम्मीदवारों को ऑनलाइन नामांकन की भी सुविधा दी जाएगी। चुनाव आचार संहित इलेक्शन शेड्यूल जारी होने के बाद ही लागू हो जाएगी। चुनाव की अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और इसके चलते अब किसी भी राज्य में कोई सरकार जनता को लुभाने की घोषणाओं का ऐलान नहीं कर सकेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने एक नियम की घोषणा करते हुए कहा कि यदि कोई राजनीतिक दल आपराधिक छवि वाले कैंडिडेट को चुनता है तो उसके बारे में अखबारों में जानकारी देनी होगी। इसके अलावा यह भी बताना होगा कि उन्हें क्यों चुना गया है। उम्मीदवारों को भी अपने ऊपर दर्ज आपराधिक मुकदमों के बारे में जानकारी होगी। अपने उम्मीदवार को जाने ऐप भी लॉन्च किया गया है। इसके जरिए लोग अपने उम्मीदवार के बारे में विस्तार से जान सकेंगे। मुख्य आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि सभी राज्यों में कुल 900 परीक्षक चुनावी प्रक्रिया पर नजर रखेंगे।

## खतरनाक हो रही कोरोना की तीसरी लहर, अब एक दिन में 1 लाख 40 हजार नए केस

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** देश में कोरोना वायरस के केसों में बेहद तेजी के साथ इजाफा हो रहा है। शनिवार को बीते 24 घंटे में 1 लाख 40 हजार से ज्यादा नए केसों का आंकड़ा सामने आया है। 7 महीनों के बाद लगातार दूसरे दिन नए केस 1 लाख से ज्यादा मिले हैं। शुक्रवार देर रात 1,41,525 नए केस मिले थे, जबकि दो छोटे राज्यों का डेटा आना बाकी था। इससे पहले शुक्रवार को 1 लाख 17 हजार नए केस दर्ज किए गए थे। 28 दिसंबर के बाद से केसों में इजाफा जारी है। इन 11 दिनों में हर दिन 20 फीसदी ज्यादा नए केस देखने को मिले हैं। यही नहीं इनमें से 4 दिन ऐसे थे, जब कोरोना के नए केसों की ग्रोथ 40 पर्सेंट से ज्यादा की रही। इसके अलावा दो दिन ऐसे भी रहे हैं, जब नए केसों का आंकड़ा बीते कल के मुकाबले 55 फीसदी तक ज्यादा रहे। हालांकि राहत की बात यह है कि नए केसों में इजाफे की तुलना में मौतों का आंकड़ा काफी कम है। शुक्रवार को देश भर में 129 लोगों की मौत हुई है, जबकि पिछले कुछ डेटा को जोड़कर आंकड़ा 283 देखा गया है। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 40,925 नए केस मिले हैं। यह आंकड़ा बीते 238 दिनों में सबसे ज्यादा है। साफ है कि कोरोना की दूसरी लहर के पीक के लेवल तक नए केसों का आंकड़ा अब पहुंचने लगा है। मुंबई में 20,971 नए केस एक ही दिन में मिले हैं, जो कोरोना की शुरुआत से अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। चिंता की बात यह है कि तीसरी लहर में पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में भी बड़ी संख्या में कोरोना केस मिल रहे हैं, जहां दूसरी लहर में कम मामले थे। बीते कई दिनों से नए केसों के मामले में पश्चिम बंगाल दूसरे नंबर पर बना हुआ है। शुक्रवार को बंगाल में 18,213 नए केस मिले हैं। इसके अलावा दिल्ली में 17,335 नए मामले पाए गए हैं।

## तेंदुए से लड़कर बचाई साले की जान

**होशंगाबाद (आरएनएस)।** मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पचमढ़ी में तेंदुए के हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पचमढ़ी के पास नीमघान गांव के जंगल में तंबू में सो रहे युवकों पर तेंदुआ ने हमला किया। तेंदुआ ने एक युवक को खींचकर ले जाने लगा। तंबू में सो रहे युवक के जीजा ने तेंदुए से भिड़ गया। उसने तेंदुए के जबड़े में मुक्के मारे, तब जाकर तेंदुए ने युवक को छोड़ा। हमले में युवक के नाक और सिर में चोटें आई। इस घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर मजदूर को पचमढ़ी ले गई। रात में ही पिपरिया अस्पताल लाया गया। हमला करीब रात 12ः30 बजे हुआ। पर्यटक स्थल वाली सड़क पर पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां काम करने वाले छः से सात मजदूर अपने तंबू में सो रहे थे। सोते समय संजू (20) नामक श्रमिक पर तेंदुआ ने हमला कर दिया और उसके सिर को दबाकर खींचकर ले जा रहा था। तभी पास में सो रहे संजू के जीजा संदीप तेंदुआ से भिड़ गया। संदीप ने बताया कि उसने मुक्के से ही तेंदुए के जबड़े पर हमला किया और एक हाथ से अपने साले संजू को खींचता रहा। हार कर तेंदुआ संजू को छोड़कर जंगल की तरफ भाग निकला। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार वन विभाग द्वारा घायल को पचमढ़ी अस्पताल लाया गया जहां उसका प्राथमिक उपचार करने के दौरान उसे नजदीकी पिपरिया अस्पताल पहुंचा दिया। यहां प्राथमिक इलाज कर जिला अस्पताल भेज दिया गया। बीएमओ डॉक्टर एके अग्रवाल ने बताया कि युवक के गले में पंजे के निशान हैं।

## कुख्यात गैंगस्टर और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अजय गुर्जर गिरफ्तार

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई अंडरवर्ल्ड से कनेक्शन रखने के आरोप में कुख्यात गैंगस्टर और अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी अजय गुर्जर उर्फ भाई जी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। उस पर हत्या और जबरन वसूली जैसे 24 से ज्यादा केस दर्ज हैं। अजय गुर्जर के अंडरवर्ल्ड के चार गैंगस्टर हाफिज बलूच, इकबाल इब्राहिम कासकर, सुभाष ठाकुर और आरिफ जान के साथ मुंबई में 11 साल से मजबूत रिश्ते हैं। डीसीपी (स्पेशल सेल) जसमीत सिंह ने

बताया कि गिरफ्तार किया गया अजय गुर्जर पहले दिल्ली, हरियाणा, यूपी, राजस्थान और मुंबई में हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली, हमला, दंगा, आपराधिक धमकी, आर्म्स एक्ट आदि सहित 24 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल है। अजय गुर्जर ने सतेंदर उर्फ सत्ते के साथ मिलकर तिहाड़ जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी को जेल में बंद अंकित गुर्जर की मौत का बदला लेने के लिए नुकसान पहुंचाने की साजिश रची थी। गिरफ्तारी के समय आरोपी अजय गुर्जर के पास से 5 जिंदा कारतूस के साथ .30 की एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद की गई।

उन्होंने बताया कि हरियाणा में पलवल जिले के तुमसारा निवासी अजय गुर्जर (41 साल) एक अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट खिलाड़ी है और उसने ताइक्वांडो में राष्ट्रीय स्तर पर 8 स्वर्ण पदक जीते थे। उसने वर्ष 2003 में भूटान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल भी जीता था और वर्ष 2005 में मुंबई में आयोजित एक अन्य अंतर्राष्ट्रीय ओपन चैलेंज प्रतियोगिता में 5वें स्थान पर रहा था।

स्पेशल सेल ने उसे 6 जनवरी की शाम दिल्ली के मथुरा रोड स्थित बस स्टैंड बदरपुर के पास गिरफ्तार किया था। वह दिल्ली में स्पेशल सेल के एक मामले में फिलहाल वॉन्टेड था और 4 महीने से फरार था। उक्त मामले में स्पेशल सेल ने अजय गुर्जर के साथी सतेंद्र उर्फ सत्ते को अगस्त 2021 में गिरफ्तार किया था, लेकिन गिरफ्तारी से बचने के लिए अजय गुर्जर अंडरग्राउंड हो गया था।

## कोर्ट कर्मियों का घूस मांगना अस्वीकार्य : सुप्रीम कोर्ट

» अदालतों में रिश्वतखोरी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में रिश्वतखोरी को लेकर सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि अदालतों में काम करते हुए रिश्वत मांगना अस्वीकार्य है। अदालतों में कामकाज के उच्च मानदंड सिर्फ जजों के लिए ही नहीं हैं, बल्कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी हैं।

शीर्ष कोर्ट ने यह टिप्पणी बिहार की एक जिला कोर्ट में पदस्थ रहे व्यक्ति की सजा में परिवर्तन करते हुए की। एक केस में आरोपी को दोषमुक्त कराने के लिए 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में सेवा से बर्खास्त किया गया था। सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया था कि वह सजा में बदलाव कर बर्खास्तगी की बजाए हटाया गया, यह कर दिया

जाए, ताकि संबंधित व्यक्ति कहीं और नौकरी कर सके। जस्टिस एएम खानविलकर व जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ से अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि पिछले 24 सालों से इस व्यक्ति ने बेदाग सेवा की है और उसके खिलाफ यह पहला आरोप था। इस पर पीठ ने कहा, तुम अदालत में काम करते हो और पैसा मांगते हो, अपीलकर्ता ने अपनी गलती मंजूर की है। शीर्ष अदालत पटना हाईकोर्ट की डबल बेंच के जनवरी 2020 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस व्यक्ति ने पहले हाईकोर्ट की एकल पीठ में अपील की थी, जो खारिज हो गई थी। डबल बेंच ने भी उसकी अपील नामंजूर कर दी थी। एकल पीठ ने जनवरी 2018 में उस व्यक्ति की सजा में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया था। यह व्यक्ति औरंगाबाद की कोर्ट में पीठासीन अधिकारी था।

**अदालत ने पूछा बर्खास्तगी की सजा सख्त कैसे-** सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि फरियादी को 2014 में सेवा से बर्खास्त किया गया था। उसे सुनाई गई सजा बेहद सख्त है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, यह सजा सख्त कैसे है? यह जांच के बाद सुनाई गई है या नहीं? इस पर वकील ने कहा कि पहली जांच में जांच अधिकारी ने आरोपी को बरी कर दिया था। बाद में विभागीय जांच की गई और आरोप सही पाए गए।

**सुप्रीम कोर्ट ने सजा में यह बदलाव किया-** इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है तो फिर क्या किया जा सकता है। वकील ने कहा कि हो सके तो सेवा बहाल कर दीजिए, इस पर पीठ ने कहा, यह इसका सवाल ही नहीं उठता। पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अदालत में काम करते हो और पैसों की मांग करते हो, यह अस्वीकार्य है। आरोपी को सजा बतौर बर्खास्त किया गया है। वकील द्वारा 24 साल की बेदाग सेवा का हवाला देने पर शीर्ष कोर्ट ने सजा में बदलाव करते हुए बर्खास्तगी को हटाया कर दिया, ताकि वह अन्यत्र कहीं नौकरी कर सके।

## 1984 जैसे नरसंहार की धमकी देने वाले भाजपा विधायक के खिलाफ दर्ज हुई शिकायत

**नई दिल्ली ( आरएनएस)।** दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष . कुलवंत सिंह बाठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान रास्ता रोके जाने के बाद भाजपा विधायक अभिजीत सांगा द्वारा सिखों को 1984 जैसे नरसंहार की धमकी देने के खिलाफ दिल्ली पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई है। इस मामले के संबंध में जानकारी देते हुए कुलवंत सिंह बाठ ने बताया कि भाजपा के इस विधायक सांगा ने एक ट्वीट कर सिखों को 1984 जैसे नरसंहार की धमकी दी थी और कहा था कि कहीं इंदिरा गांधी समझने की भूल ना करें यह नरेंद्र मोदी है तुम्हें लिखने के लिए कागज़ व पढ़ने के लिए इतिहास भी नहीं मिलेगा। दिल्ली कमेटी ने विधायक की इस धमकी के खिलाफ पुलिस थाना नार्थ एवेन्यू थाने में शिकायत दर्ज करवाई है और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बाठ ने कहा कि विधायक ने आपत्तिजनक शब्दावली प्रयोग की है और 84 की बात करते हुए सिखों का इतिहास मिटाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम इसकी सख्त निंदा करते हैं और अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए थाना नार्थ एवेन्यू को विधायक अभिजीत सांगा व अन्यों के खिलाफ शिकायत भेजी है। उन्होंने कहा कि सिख देशभक्त कौम है और सिखों का देश की आज़ादी में बड़ा योगदान है।

## आखिर कहां-कहां हुई चूक, कहीं साजिश तो नहीं: किरण बेदी

» पीएम मोदी की सुरक्षा में सेंध मामले में बोली किरण बेदी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** पंजाब के फिरोजपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में भारी चूक के मामले पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की नेता और पूर्व आईपीएस किरण बेदी ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने बताया कि आखिर पंजाब सरकार से कहां कहां चूक हुई। उन्होंने कहा कि सबसे पहली सुरक्षा चूक डीजीपी की गैर हाजिरी थी। राज्य के गृह मंत्री और गृह सचिव भी मौजूद नहीं थे। जिलाधिकारी भी नदारद रहे। क्या यह उल्लंघन एक पूर्व नियोजित साजिश थी? यह पीएम की घात का स्पष्ट मामला है। किरण बेदी ने कहा कि पुल रुकने के लिए एक खतरनाक जगह है क्योंकि पुल को बम से आसानी से उड़ा सकते हैं।

**यूपी के पूर्व डीजीपी ने भी उठाए सवाल-** उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें पंजाब पुलिस के जवानों का दोष नहीं है। इसमें पंजाब पुलिस के अधिकारियों का दोष हैं और पंजाब पुलिस के राजनीतिक नेतृत्व का दोष है। राज्य में सरकार किसी की भी हो अगर वहां पीएम आ रहे हैं तो हमें प्रधानमंत्री को हर तरह से सुविधा और सुरक्षा देनी होती है।

**क्या है मामला-** बीते बुधवार को पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिरोजपुर में दौरा था। भारी बारिश के कारण पीएम को सड़क मार्ग से जाना पड़ा लेकिन इस दौरान हुसैनीवाला से 30 किलोमीटर दूर रास्ते में प्रदर्शनकारी मिल गए जिस कारण उनका काफिला तकरीबन 20 मिनट बेहद असुरक्षित क्षेत्र में रुका रहा। जिस इलाके में पीएम मोदी का काफिला रुका था, वह आतंकियों के अलावा हेरोइन तस्करों का गढ़ माना जाता है। पिछले साल सितंबर माह में इसी क्षेत्र में आतंकी वारदात को अंजाम दिया गया था।

## ट्रेन का टिकट बुक करने पर अब देनी होगी स्टेशन डेवलपमेंट फीस

» रेल में सफर करना हुआ महंगा

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** रेल का सफर जल्द ही महंगा होने वाला है। ट्रेन में टिकट बुक करने के लिए 50 रुपए तक ज्यादा देने होंगे। रेल मंत्रालय ने नए सिरे से विकसित किए गए रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन डेवलपमेंट फीस वसूलने का फैसला किया है।

रेलवे के मुताबिक यह फीस अलग-अलग क्लास से यात्रियों के लिए अलग-अलग होगी। उपनगरीय और सीजन टिकट को इससे अलग रखा गया है। यह फीस उस स्टेशन से रेल में चढ़ने

और उस स्टेशन पर उतरने वाले यात्रियों से वसूली जाएगी। हालांकि ये किन स्टेशनों के लिए और कब से लागू होगा इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। इसके तहत जिन रेलवे स्टेशनों का रीडेवलपमेंट हो चुका है उनके लिए यात्रियों से 10 रुपए से 50 रुपए तक का चार्ज वसूला जाएगा। यात्रियों से ऐसे स्टेशनों से ट्रेन में चढ़ने या उतरने दोनों पर SDF लिया जाएगा और इसको यात्रा टिकट में जोड़ा जाएगा, जिससे टिकट महंगे होंगे। यह कदम रेलवे को और स्टेशनों के रीडेवलपमेंट के लिए पैसा जुटाने में मदद करने के लिए है।

**अनरिजर्व्ड पैसेंजरों को देना होगी 10 रुपए फीस-** अनरिजर्व्ड पैसेंजरों के लिए यह फीस 10 रुपए होगी। इसी तरह रिजर्व्ड नॉन-एसी यात्रियों के लिए 25 रुपए, रिजर्व्ड एसी पैसेंजर्स के लिए 50 रुपए होगी।इतना ही नहीं प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने वालों को भी इसके लिए 10 रुपए चुकाने होंगे। उतरने वाले यात्रियों के लिए यह राशि उक्त दरों की 50 प्रतिशत होगी। अगर कोई यात्री ऐसे किसी रेलवे स्टेशन से चढ़ता है और ऐसे ही स्टेशन पर ही उतरता है तो उस स्थिति में एसडीएफ एप्लिकेबल रेट का 1.5 गुना होगा।

**कितना बढ़ेगा किराया-** एसडीएफ यानी यूजर फीस लगने से ट्रेन का किराया महंगा हो जाएगा। उदाहरण के लिए अगर कोई यात्री नई दिल्ली से मुंबई जाता है तो उसे दोनों स्टेशनों के लिए यूजर फीस चुकानी होगी। लेकिन कोई यात्री छोटे स्टेशनों से नई दिल्ली या मुंबई का टिकट बुक कराता है तो उसे नॉर्मल चार्ज का 50 प्रतिशत ही यूजर फीस के रूप में देना होगा। सूत्रों के मुताबिक शुरुआत में 50 स्टेशनों में यह व्यवस्था शुरू की जा सकती है।

**स्टेशनों के रिडेवलपमेंट पर काम कर रहा रेलवे-** रेलवे कई स्टेशनों को रिडेवलप (पुनर्विकसित) करने की योजना पर काम कर रहा है। इन स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं के लिए यात्रियों को हवाई अड्डों पर लगने वाले यूजर डेवलपमेंट फीस की तरह अलग से शुल्क देना होगा।